TECHE
UDINE

MANOSCRITTI

FONDO PRINCIPALE

Manoscritto n. **P_MSS_4424**

Nel Fondo Principale sono confluiti la maggior parte dei lasciti manoscritti pervenuti alla Biblioteca Civica «Vincenzo Joppi» nel corso del tempo: si tratta perciò di un fondo composito nel quale è possibile trovare manoscritti di argomento liturgico, scientifico, giuridico, botanico e altro.

Collocazione:

Biblioteca Civica "Vincenzo Joppi", Udine
https://www.techeudine.it/fondo-principale
https://www.sbhu.it/

॥५६०॥ श्रीसद्गुरुभ्यो नमः॥ स्वस्तिश्रीविक्रमपुरे।प्रणमाश्रीजगदीस।तनमनजीवनसुखकर
ण।पूरणजगतजगीस॥१॥ वरदायकवरसरसती।मतिविस्तारणमात।प्रणमामनधरिमोदसुं
हरणिविघनसंघात॥२॥ममउपगारीपरमगुरू।गुणअक्षरदातार।वंदीताकेचरणयुग।तइसेन
सुनिसार॥३॥कहांचंदनकहांमिलयागरा।कुंसहीपरयीर।कहिकंताकीवारता।सुणोसब
इवरवीर॥४॥नगरमनोहरकुसुमपुर।तीनभुवनविष्यात।वागवावाराबहुतहइ।सरगपुरीज
पुरात॥५॥चउरविचक्षणलोगसब।लोगबसइबहुयच्छ।उछरिवउरिषेलतहसतागाउतकरत
यछ॥६॥सीतलजलसरवरसरे।कमलजमधुपकणकार।पणघटपाणीसरणके।जाबवहतपनिहार
॥७॥मढमढमंदिरपोलिप्रगरू।सेवक्तिनप्रासादाष्फरकसेधजमातुसिषरपर।करतगगनसुंवाद॥८
वीरघंटवाजतवर।मदभरगजगाजंत।राजद्वारिफूलंतकुकि।अकादपटजलाजंत॥९॥पवनवेग
जितपवनजव।चलतिचंचगतिक्षार।तेजतरुणतायेतुरा।करतहणणहिंसार॥१०॥राजतदहराजा
तहां।चंदनचंदसमान।न्यायवंतश्रीरामसउ।रूपरतनगुनषांन॥११॥तासुपियामिलियागरी।सी
लवतीसिरिमउर।रूपवतीरतिअपछरा।अइनमइनकीअउर॥१२॥मृगनयनीचंद्राननी।पि
कवयणीमृगगात।तनुदमकतघनदामिनी।दसनचंद्रिकातात॥१३॥अलबेलीअलबेलगे 1
ति।कामकेतकगृहवेलि।जानकिंरतिपतिषेलके।विरंविचक्षणयोमेलि॥१४॥प्रेमसरसतीनी

रहता। अपनइ पीउ कइ संग। उदय समन आंणही। करतके [illegible] निरंग॥४॥ मालति फूल मिल्यागरा। प्रीति परमम करदइ। मगन रहत सोगी समर। चंदन वउर नरिंद॥६॥ तसु सुत सायर नीर दुइ। ऊजल सबंद दिने स। मानऊ ईसर गौरया। गंगा तसु जगणेस॥७॥ इति श्री चंदन मलयागरी वार्त्ता यौ नगर निवेसन सकल जन नानंदन नृपति चंदन राजा मलयागरी तत्तनय सविनय सायर नीर नाम स्थापनो नाम प्रथम कलिका॥१॥ इक दिन चंदन मह लमइ। पउढ्यउ थौ निशि रइण। प्रगट होइ कुलदेवता। आइ कह्यौ हित वयण॥१॥ अरे हो चंदन जागि हइ। कइ सूतउ नाहि न मात। कहउं क्या आगमादे तहो। आपदउ किवात॥२॥ देवी उवाच॥ चंदन तुम जिय कष्ट हइ। उइ सुत तिया समेत। सावधान तुम करणके। ऊ आइ हहे त॥३॥ सुनत वेग चिंता वढी। अति अकुलाणउ राउ। चंदन सिर ज्य उकष्ट को। पम्यो अवि त्म उया उ॥४॥ राजा चंदन दीन हुइ। विनउ करा दिपाउ। कहि विधि बुटिकु मात अब। सोक बुहे उवतात॥५॥ पिरि बोलइ कुलदेवता। तउं जइ डरि तिनि वास। राज रिधि सुख छाडि कइ। जउं तजि हउं वनवास॥६॥ राजा मानी वात सवा कह्यउ पियासुं नाइ। सूते बाल जगाइ कइ। लिए गल इ सुलाइ॥७॥ राजा राणी निस हलि। करि जि सुइक तार। अपणे मंदिर महल जन। भोरि वले निरधार॥८॥ राजा वऊ तब ालक रमत। पाउ तनां हिन वाट। स्रुते कुम की उटले। तलि न विगाण उ घाट॥९॥ विकसी पीय राउ हपही। रही निसा तम लेस। वन वन विराया चुह चुहा। वहा बाट सु विसेष॥१०॥ विहि पंखिम च्यारु परे। जहांव सहाइ भाग। कवनिक सेक दांऊं वदेसु। [illegible]

२

किनऊं नयायो ताम॥११॥ तुम तर आपद सहत। उषदे मत वसिकमी। आप प्यारु कनकपुर। ऊआत पेम निज धर्मी॥१२॥ इक संपद पइ जइ रहे। बारिस कंलमद मात। टहल दई उणि धामकी। सिर जाचा हि सुजाण॥१३॥ देव सिव चंदन कर तारा णीम अनघा ल। देषत हउ गति कर्मकी। गऊ चरावत बाल॥१४॥ गाहा॥ मायंग घरे हरिदराइणो। पांम वाण वासो। मुंज सललिर कल मणं। कौ रऊ इक मणास हु॥१५॥ राउ करे हरंको। रंको पुण्य करइ राय सार हो। जेन ध रिऊइ हियइ। करे इन कम्म जावाण॥१६॥ चौपाई॥ इक आयो मर देस थइ। सउदागर ससम हौर स्योषो। विमे रे तहां घाट णजो सागर हो॥१७॥ इक दिन निज पियषूछि कइ। पाय पिया कउ वयण। जंग जगई मलयागरा। कोम लक लिया लइण॥१८॥ वाणी [illegible] सावन लक्कर। कियो सरोटो म हो। लइ आई मलयागरी। सउदागर कइ॥१९॥ पक्की अंगल उण्यनी। असरू की उमहार। लिऊ वीर हो लक्कर। ढाक रइ उकार॥२०॥ या को इलऊ हकाक हां। किस दरषत किस मालासो दागर आयो। निक सष्या लीद षण ष्याल॥२१॥ तइस इ सीमलयागरा। नागर दउरसु जाण। लेऊ वीर हो लक्कर। बोलाम धुरी वाणि॥२२॥ मार टेरसी लइ गई। सर ल सुहाणइ सादा। मानऊ गिरधर लालकी। ऊज वंशी को नाद॥२३॥ लाग्यो हइ त सुती सकी। किधुं करवतकी धार। काटि करेजउ लइ गई। सउदागर कउ सार॥२४॥ प्रगटा वेदन विरह की। मदन नमेरो लागत। सउदागर कुंलू लिगाई। स बस उदाकी वात॥२५॥ वंसी कउन वजाइ है। षषरिक रउ कहि गेर। मदके माते बो खिहइ। कि स वन को इलमीर॥२६॥ यंशी को न वजाइ है। नाको इ सनां मोर। ऊह कत हइ कि यारण

2

सांहिब चितकी चोर।२७।मेरी सुंक्याक हत हउ।इह इसाचुंह इवात अइसी नीकोऊ बो जहइ।म हिरी ऊंकी जात॥
२८॥ साहिब देष्यइ हीवनइ।क हतनआउतधातीऊ सत हइ सब आदमी।उह इसबन की सांति॥२९॥रूप
रेषगुणआगर॥ लषितसुगतिम उहास।तइसी जइसी राषायइ।आंषिन हाक इयास।३०॥चित चटपट लागीसु
नता।मुरिमुरि निरषितआप।कवियारा कइदरसकी।देषण की तइं चाप॥३१॥जात मेरे यारउम।जइ आउ बोल
इ।राषइगवकोऊ अउउरहा।विचहीसुविरंमाइ॥३२॥वाक रवंदेऊ कमके।ऊ कमचुदाउ साँसा।सउदागरके।
आदम॥ तबधाए दसवीस॥३३॥रीकवियारा आउरी।वेगत रो टउ ल्याउ।साहिबतीऊं तेरिहइ।अउर वउर
मत जाउ।३४॥चलिआ ई मलियागरी।घउ सउदागरजब।मारितरो टो असकत्यउ।सिरी राम जी सत॥३५॥
अथ आयदा रूपवर्णनं॥ वां दहबलीपकावके।पीत रक उघगवारा।करदेउकं कणलाषके।गलिमोतनिको
हार॥३६॥ कानतिबी रुंका चका।आननउपमचंद।पहिरण हउसाफ भोया।जगामंमण बविनद॥३७॥पाउप
यलसरषकी।तरुआ कोमणउद्द।कांसा कीजेहरतिहरावरवाजणा सुघट्ट॥३८॥मगनहोइगउ रूपमइ।रंग
लागउ चितवोल।सउदागर बोल्यउ तवइ।अदसुत बोजअमोल॥३९॥ सावउ सुंदरिसुगुणहो।वइ ठेया
उमरुवाम।हम ऊंकहायइआपनउ।बायतियाकउ नाम॥४०॥ कउणजातिऊ जउंण हो।वसत हउ किहै
देस।नीकेमाणसदेषीयता।यउ उमरुकइसउं वेस।४१॥तब बोलामलीयागरी।सुनिसउदागरसेष।हम
सिरिझइ सेउरक के।लिखि विधाता लेष॥४२॥ बजात लोतिसेए बऊत।मढमंफपकदेव।साहिबप्रणह २

रकी पूरा करानेसेव॥४३॥ ऊंकरहर पुजो नही।वरउ पुजादनयान।नजनं तस्पउगोसांइयां।ताकोफव
उषजाए॥४४॥उपीयां मांणसजागतस्यउ।गए कि तेउषरोइ।अबजउकोऊ फिरदेषिहइ।तोहमसे उषनमे
इ।४५॥नामहमारा उषा मन।ऊणजातिऊ जउउर।हमसाहिबके चेरहां।तुम मतजाणउ अउर।४६॥इहां तुम
ऊ आएसुनि।कनकसहिरमइ अजा।ऊंकवियारा कावऊ।आई वेचणकज्ञ।४७॥आएसो कीनी नलो।घरेहम
रनाग।हमसब लीनी लकरा।जो चाह इसो मांग।४८॥प्रीतिक्रियाणो इकइ मांविद्दृदयकी षोलि।करिकबुस
उदउपेमक उ।कहि सूरतिकोमोल॥४९॥राजीउवाच॥ सूरतिमोलनसमकिऊ।प्रीतिनजाणु नेम।हमकवियि
णवेषावऊता।कवऊनवेआ पेम॥५०॥गाहा॥ पिमं असरिसरूवं।असरिसमगंनजरिवयंजाइ।असरिसरस
वगहिउ।कहिउवनसक्क एकोवि॥५१॥दिन्नंदिवायंघा।कस्सविनक्कहोइ वितयं चकयं।पिम्मं दवइ सहावा।न
लप्पिएमग्गियं हहे॥५२॥सउदागरउवाच॥जाणदेऊ अबइणसमइ।प्रीतिप्रेमकी वात।कतयक कवियादे
तहउ।टकेयांच लेऊ सात॥५३॥साहिबवेगदिवाइयइ।दालनकउनहाकाम।हमघरिषा उोषाईयइ।गंविन
दमरादाम।५४॥ सउदागरदीनेतबइ।गणिकवियनकेदाम।कवियारा आम सदा।नलउकरहउ हिराम॥५५॥
॥सउदागरउवाच॥ राकवियारी सुनतहो।यऊमेरउयऊ उउर।बऊरितरोटउल्याइउ।मतकऊ फिरिपि
अउर।५६॥लोसाणीम लयागरा।सोरी सो जइ साव।नितकीकवियामारिहइ।वउपिरिदेषतदाव
॥५७॥ इकदिनमाघचलाउसब।आपरस्योरसहित।दामकाजमलियागरा।आई कतसे कत॥५८॥ 3

साहिबदमेरेदीआयइ। उठपइरहइउधार। मसकनकोकुंमांगिऊं। रोकपईसेज्या॥५९॥ पितपितकर
तमलयागरा। अरु मारतहगनीर। घालिम्रहिलमइ लेगउ। सउदागरवेपार॥६०॥ कुंरूनीमलयागरा। कु
वणीतरनीसास। वनभूगपंघायसुअनर। सवसुणिसएउदास॥६१॥ पिउविछुरतहगनांमिलत। नादछवटगइ
नास। सिधिबुधिरूरतिसवगई। सुषगईगईप्यास॥६२॥ चंदनचंदनकविरहा। चंदनहाकउध्यानायुंयोगास्वा
गसुं। लीनरहतइकतान॥६३॥ सुंदरिसोवतरातिऊं। वातीपरिकरलाइ। हृदयकमलचंदनवसइ। किवऊंमि
सिजनजाइ॥६४॥ चंदनविणुमलयागरा। कइसइधरइजधीर। कुशिरसंदरिअप्पणो। पंजरकायासरीर॥६५॥ सो
दागरवाकं॥ कवियारक्याकरिहइ। किरिमनहदवरमोहि। पानफूलविचिराचिऊं। करिऊं सुपणीतो हि॥६६॥
राज्ञीवाच॥ मरिऊं जइऊं जीवइ। अरुवरतनिऊं प्राण। इणासविचंदनपीउविणु। सिरिनधरुंगीआण॥६७॥
जिहिमुषिमनरूचियेमसुं। अचयोरसपीयूष। तिहिमुषिविषकुंपासीयइ। जउ जाणइ रइरूष॥६८॥ इ
णानमणेसंकलयकीयो छिणाभिषपायोजुकोस। ञातमचंदननाकिकऊं हिमनधरांसंतोस॥६९॥ जहिरंगलिहि
रसथमसुं। निरष्योचंदनपाउ। तिहिरंगअउरसमननेरषिऊं। जउकोदुःषइदमजाउ॥७०॥ अगनिमांकिजरिवउ
सजउ। सलतउ विषकउपान। सीलषंडितवउनांसलउ। नहीकछुसीलसमान॥७१॥ अहोवीरमो हिगरिदइ।
कसुं निपटलइअंत। अपणउसीलनषंडिऊं। कुंनऊपउकिरतंत॥७२॥ इतिश्रीसीलवतीवाक्य। निजपतिप्र
ति॥ गलीगलीदेवलाफिरूंउ। ढंढासववनराय। पाईकऊंनमलियागरा। रविपचिवइयोआइ॥७३॥ चंदन ३

कुंहेमलयागरा। घासुरवउषकोठाम। देवविवोहोपारिकइ। कउणसुधमकियोकाम॥७४॥ इतीयसत्यास
हवचसादियोगस्वचिकाकलिकाछितायां॥ अथमाहविरहपीजितोबालोकचउ॥ वियपतसायरनीरइ
इ। अरुपूवनविसघाता। अजऊंनआईकहांगई। नातहमाशमातरा। पूतउभूमईआआइहइ। धीरधुंदक
वर। सायरनीरपरतहां। रहेमातमगहेर॥२॥ कइसईसायरनीरडइ। निरषिरहेगृहद्वार। जइसंइवरघारउ
समइ। चातिकचहुपसारि॥३॥ अराहामइयाआवरी। कोरिसकलजजारा। वेरकजेवाकालइ। कारिनहमा
रीसार॥४॥ मइयारकरिरहे। सादनद्यइमइया। वाबरुयाकइसइरहइ। गईया विणुरईयां॥५॥ इकउप
तियकइविरहकउ। देषतनहिनयनां। अउरजुसालतहृदयमइ। वालकमुखिवयनां॥६॥ रहिनसकतराम
तिहां। सालतितियअहिवांना। करिकंधइसुतजेवसो। चउरसमयकउजान॥७॥ बऊतन्निमिअवगाहिकइ। आयोइकव
नमझ। वहतीनदाअसरालतहां। पइसणुकुंतयोसझ॥८॥ पारवतारीनीरकुं। पइवउसायरलइण। नदी
वहायोवहिचल्यो। साथिनसंबलसइण॥९॥ कहांचंदनकहांमलयागरी। कहांसायरकहांनीर। जाजापम
इअवछिना। सासासहइसरीर॥१०॥ मति मिनटस्वबालक्यवियोगस्वचिकालिकाछिताया॥ इककउपवि
यणपाइकइ। विलापोबाहप्रसारि। राजाचंदनकउवालसुं। कमधिसुंलइपारि॥११॥ गाहा॥ पविसहसायरमज्झे
पविसहगिरिकुहरकंदरामज्झे। कम्मसहायजणाणं। कट्ठमदिनहुणइवाजग्गं॥१२॥ तटिगइइआनंदपुर।
इकनगरनयनविश्रासा। राजाचंदनपथिकज्युं। उतरयोएकनिधाम॥१३॥ नाघरिघरणअतिनिपुण। रसिकहवोला 4

इला। अंगि अंगि जोवन नवला। घर किरह्यो हइ फइला॥४॥ चंदन आउतदेषकरि उवि दानो सन सानाउंति रो
अपणउ धाम हइ। हमउ मरु इहपि बाण॥५॥ तरियाणा कहादइ अरु दीतणाकाफा र। प्रेम निजर निरषत षरा
सुषतइ घुंघटमार॥६॥ कहइ उनइ आपण इहा यकउ। हम कु षरउ विचार। कहां घइ आपणे बकुशि कदोकंवा
लण हार॥७॥ कहां कि कु उम्रु हो इजउ। कबु कहणइ की वात। सुंदरि बूझो को कहे। उठइतरु वरपात॥ जह मब
इसजे जपंषियण। जिह कउ जंगल वास। इकु वेमि जि बुन कि चुगइ। पलक न छंदइ पास॥९॥ हम कु तइ वन
मगसले। जुंदिन दिन वन विचरति। राति राति मिलि ज्रिअप्पणी। सुषइ मकचा कहैता॥१०॥ हम कुं जइसा रातिहइ। त
इसइहीदिनु जाहि। जोगी लोगा कबु न इम। कहइ रवि द्योपामां हि॥११॥ जो रन हा जगदास सुं। न ही क रम सुं जोरा कोि
कौसा राज्ञो रिह शक दिकी दइ इहइ तो रि॥१२॥ इक सुरूप विलोकिक इ। अरु विरहा जणजाण। सुंदरि मदना धुरत इ
बोलिन जे कुलकाणि॥१३॥ उम्र परदेसी लोग हउ। हउ न कि सक इहा घ। जउ शहिहउ तो जन म लगि। हम उप
एकोसाथ॥१४॥ चंदन बोल्यो सुन तहउ। सुंदरि हउन विचार। हम उ मरु तुरिहइ सा धवंधु। सिरि साब तन सरता र॥१५
॥ वात इह सिव उसद जहइ। जनु हमु जोस्यो जाउ। नन्नु तवहा ले अप्पन उ। मारुगी निज़िपा उ॥१६॥ गाहा॥ महि
ला लाजकुलहरा महि ला लोयं मिउ चरियषेत्तं। महिला डुगइ दारं। महिला चरियन याणंति॥१७॥ मत्वमयो
जलमग्गो। आगासे पुंषियाणपयपंता। महिलाण हियय मग्गं। तिन्नि विलोएनदा संति॥१८॥ अछं मिए पियसूरे स
मरंवविकण नियय कोसम्मि। नलिणी उ वि रमंतो। ता किं तुकुं मयच्छीणा॥१९॥ तियवे सासन को कराउ। तिया किसी का

४

माहि। जिण निज प्रिय तनु दोलणा। दियो जु कइ समांहि॥२०॥ बात सुन तहा पापकी। थरहर कंप्यउ अंग। वरित तिया को
पाय कइ। राजा रयो विरंग॥२१॥ चिंतचकित सउकइ गउ। रह्यो न चंदन रयणं। उ विनि कह्यो उहि धाम तइ। राम र
कहि सयण॥२२॥ चाल्यउ चंदन पहि समइ। सजि सा। हसवर वीरा मान कुइ। रव निवास तइ। निकस्यउ चाहणता
रा॥२३॥ दिष्टि परा चंपक पुरा। दासन लागे लवन। पायसगम सूचक नए। सुषसंपति केसउण॥२४॥ चंदन चंदा सउन
सवु। निरवि निशषि विडुउ वर। करि प्रणाम की बानती। अवनतकुइकर जोर॥२५॥ जंगल जिते विरही तहइ उ अपू
उमा मेटण दुःरव का। प्राण पियासु सउत मिलइ। तउ हम न रक पाए सुरका॥२६॥ उपवन कुं सन मुक्कलयो। आवत देषि
नरिंद। बोलि र आसीसदी। मारि रवगच्छंद॥२७॥ सूतउ सरवर पालि पर। चंदन अपत अनंत। आइ रह्यो हइ निकट
हो। आपद ही क उछंता॥२८॥ अबउहि नगरी इ कि सम इ। कउन तयो विरतंत। राजा सुउ अप्रूतायो। दिव्य निपंच समंत
॥२९॥ आय सरवर पालि परि। जहां सूतउ घनराउ। पंच दिव्य घिर लगन मइ। परगट सए सताउ॥३०॥ गय गाज्यो तव हय
हण्यो। गज सिरि ढारयउ नीर। बीजे चामर बालिका। दाल्यो छत्र सधीर॥३१॥ आयउ चंदन चमकि कइ। प्रगट्यउ पुन्य
एपरु राउ। जर कंध इनिए वद्यो उत्पुंउद्यो चलसूर॥३२॥ बाजे वाजे हरषके। गाडे गुहिर विनइ। मान कुलाओ
रक्को। करि मन धुनि यइ॥३३॥ वंदाजन अरु वंदा यन। रचिर चिगुन अन हद्दा। उंचा करि सुजदा हिना। उच रे जय श
सदा॥३४॥ गह गृहद्या रिंगरी र स जिन वसतधरप्राति। गावत लागा कुलवधू। मिलि र मंगल गीत॥३५॥ चंद सुरव मंदि
रवद्दा। लगीय हण आसा। साह मन नगरा क उ उधणा। आए को जिवरास॥३६॥ गावत तान अनूप सर। वावत वसावा नि

5

नत्पतिअसिनवनायका।छूमतरस जयजीन।३७।चंदनप्रजपरिवारसु। वीजत विऊदिसिवउर।देषन
सोसानगरको।पइवउगढकोमउर।३८।तरितरिमुंगता।अहु जो।हसिरउमगउबाह।विविधवधाउना।गर
वेदनवसुभसनाह।३९।चंदनवइवउतषतसिरि।जानउषरजजुहार।वकूपाएपहिरायकइ।करिसबका
मुनिहार।४०।चंदनकोउआहा फिरी।दिसरपुरगाउ।वागउपरहउसुजसकउ।वाद्यउ विऊंचक्रिनाउ।४१।
इतिश्रीचंदनमलयागरीचापाईयांराज्यप्रातिवर्दकविष।द्विनाशानशल्यसंपत्यकाशनकलिकाचतुर्थं।रजा
विनुमलयागरी।विनुसायरविनुनीर।सबसुषउमककरिज्ञानिरुइ।व्हासषाईपीर।१।तियजनपरिजनसु
तजनाकविजनाकितेषवास।चंदनविनऊनकोचढइ।अंकुकव हियापास।२।गाहा।जइविसमुद्दोपुण्णो।
अमुजमुत्ताहले हिरयणेहिं।तह विहवइगवाइं नियसुयचंदस्सवसणे।१।तइयाकउनगतिहोइमी।उ
हिकासरजनहार।एकधरूउतरजेइमो।अउरधरूउतनपार।३।मूईनजाएंजावहइ।बोरीघानिरधार।उहिमु
सुषडपनको।कउनकरइगउसार।४।पियपियारेबालजविनु।घरेयुउषकेपाण।चंदनअगनलागिहइ।षान
पानपरिधान।५।नांजाणुंकुंकरिरहइ।कविनसांतिकहिरूप।कहाकरूं आयकहो।युमिसिसोचतनूप।६।
गाहा। मऊरसरेणकुरंतो।विजवंतोसमरोसमंतोय।कहुयऊवीकुसुमा।आसावंतोसरइनलिणि
।१।जइहवीहोमेहा।चकोरदिठासुनिम्मजचंदा।हसोजइजजलसरियं।समरइमाणसंसं रम्मे।१।सह
रवणंगइदो।जहफायइअइहयनिम्मयारू ले।अइदाणिजाणंगो।परवसयदिउमणुसाणं।१।तहच

५

दणो विराया।पइमासयरकगचंपइहोइ।पइरतिसंसारइ।जीवियइवेधियापुन्ने।७।चो।अबसुतसायर
नारकउ।कहासयोमरबध।सुनिउलोगोकानदे।विलुस्याजोरणसेध।८।तबअ।योइकसाधउहां।व
दिषतचितअनुरूजाउ।हतटिउइबाजकतहा।वोधेतरूकइमूल।९।सूरतिमूरतिनाऊंरी।कनकव
रणमउगात।सुंदरबालकदरसको।तईसबनऊजात।१०।मुषकमलानिपुहपसु।अषांयांटपकतनार
।अपनीमाऊंमूरिहइ।ज्युंपंजरकेकीर।११।पावनऊंपनहानहानहागतनऊंचार।स्योनाटकदेवइइह
मानऊंअप्पसुरार।१२।निरषीबालकदीनता।सारथपतिऊइदीन।अपनेसुतकारिकइगहे।राषतज्युं
जलमीन।१३।जबआएयोवनसमइ।जुगलकिसोरकुमार।फाबणलागेसुसटके।तबपांवुहेघाया।१४।जि
हिकइपुरुषाकारसुं।होतआनकसलेव।जानेलोगोऊंसरसब।वलबलकेजरणपेव।१५।विनयवंतविद्या
निपुणारूपवंगुणगेह।रहतपरस्परनेहसर।एकजीवउइदेह।१६।एकसमयमनचेतयो।अबहसिंमागउ
साषी।अपनाघाटीषाईयइ।लहियइकर्मपरीष।१७।परघरिआस्याकीजायइ।सुइयइपाउयसारि।तइया
इहविधिपुरुषकउ।रहतनपुरुषाकार।१८।एकसाहअरुसापुरस।इहउहइकसहाउ।आसपराईनांकरइ
कुंसिरिचूटिनजाइ।१९।बानेकुंहानरहतरहइ।इकराजबाजरविताज।निकसेसारथवाहसुं।पाइविदाहितहे
जा।२०।चलिआएवंपकपुरा।जहांपितकउराजा।कोटवालकाचाकरा।रहेसमूजसकाजा।२१।सातिसाहि
कानउसइ।लइसबंदागरपेस।राजाचदनकुंमिल्यो।वहिविउहिककइदेस।२२।देसदेसपरदेसका।पायर

6

सा जस अनूपा मागिमा गिक बुमा गिरो। अति दिरा रूणउं रूप। २०॥ सउदागरत सनामका। एकदोइ तिद
वार। साहिबहमकुं दाजामइ। अपने घरकी दार॥२१॥ कोटवाल कुं ऊकम किउ। न बहावंदनराउ। कोटव
ल लइ संगि दिए। सा यरनी खुलाइ॥२२॥ कमशिकियारी वाकुरा। अरु वंकात खारि। आपसाय रनाशनि
हां। करत ऊसा व्यार ऊसी यारा॥२३॥ आगत पह रउदइ तहइ। कांधइका समसेर। सासा साय रनारको उवि
धो जेति हि वेरा॥२४॥ छिटकि रह्यो हइ खंडमा। हमि जुरही हइ राति। आज कहउं हो सुसट वर। कबुक सलीस
ञ वात॥२५॥ बोले साय रनी रहो। वातगतमइ दोइ। निज वात कप रवात घइ। उत्तक तंउमतो इ॥२६॥ पख्या
तक बऊ तइ सुनी। कहत जहां तहां लोइ। हम ऊं कहियइ मंद्रि काइ। जुं अपवाता होइ॥२७॥ कहांकहां वे
धो ध्वा। जुवी ता वात ह्वियां। मातसउदागर रमणमायो। बापवहायो नदायां॥२८॥ सुतायामल या गरा। सुणि
जागाउ विधाइ। अग्नि साय रनार कइ। लागी उरसु आइ॥२९॥ रूनी सरिर अंपियां। कहित उषके वयणा
फाटत बनीयो सुनत हा। आवत सरिस रिनम ना॥३०॥ हाधी विरह वियोग का। उमनो उसह विहालो। संग
मजलसा तलसइ। मिले जु विछुरवाल॥३१॥ बोले अंगजमात ऊ। सोइ रहउ अजुं राजा। लइ सउ दागर राय
मइ। न्याय करां गे प्रात॥३२॥ वात वलो सब साधमइ। चव्यउंइ देइ जपजोप। बालविशेषा मुनुज क उमु
मदिष्या हापा पा॥३३॥ सउदागर मन मइ रूसउ जइ अबजात वे बाज। मो कइ सउ जो बंधीयइ। पाणा पहि
लो पालि॥३४॥ निकस्य उपह पा रास ई। अउ रनधरु उविवाश संग बाय मिलया गरा। पकु च्युउ राजउवा ६

ना॥३५॥ षबरिजा इदरवाण दा। लइ कियो सा जह जूरा। बूस्मू उसउ दागर कहां। आयो कागत सूर
३६॥ साहि ब यक अनोय हइ। अद सुत वखु विसेस। लइ आगइ मजया गरा। धरा इह हमय पेस॥३७॥ न
जाणुं इह पदमनी। न जाणुं इह इरंभा। मइ पाइ बनमझ मइ। उवन जाणुं संभ॥३८॥ नयनु निताग
जुरतहा। तियप हवाना राय। कुरकण लागउं अगसबा। हरष उदउ न समाय॥३९॥ राणी लेमहला
धरी। चंदन वसुधा नाहू। करइ इह इकमी विचारणा। दिइ कपोल निहाघ॥४०॥ पतइ सायरनी रसी। काव
ण विरह अंगार। आप दंद नरोयपइ। लगो करण सुकार॥४१॥ महाराज विरजात हा। सुरण त्रिभुवनअ
सामा सहमा राधा इयइ। सउदागरक इपास॥४२॥ अंग जवाणी सुनतहा। भगयुउनव लसनेहा। चं
दनहगाथी तलसई। सइ पकछि तदेहा॥४३॥ राय लायक रि अंगुरा। प्रेम रेज जायमाना जहां पीजन
जमम का पिरकी एतहा आन॥४४॥ जाय मिले सुत मात ऊ। बार वर सक इ अंति। राय पियार सुत लष
लिष्पउं न्माय महेत॥४५॥ राजा सागुउ तेद सबा। कल्पउं सरूपसमूल। शाना घुघट मट कोय। मुरि मुस्कि
इ अनुरूल॥४६॥ ऊमरपिता पायन परे। सारिल पवरि संग। असुय न कोधार नवुटा। मन ऊ मुवाए अंग॥४७
॥ उषजग उंमन सुष सयो। सागउ विरह वियोग। मात पिता सुत मिलनहा। सयेअ पूरब योग॥४८॥ राजा बो ल्यो
क्या करु। सउदागरक उदरु। राणा बोलाधा रियउ। हम उ मृषा तिअं प्र॥४९॥ सउदाग र बासो म्रु बडाप
यरहइ सुष चइन। सपरवार सुष भोगवइ। जानि इद्रमहि अइन॥५०॥ जइ लइ कुनि निज पुरा। जेसजन 7

सबजोकातइसेनकहिपुण्पतइानएसुवंविनलेग॥५१॥ इतिश्रीवदनमलयागरासुंबसंपतिकल
काषष्ठीसंपूर्ण॥ शुभंभवतुसर्वत्र॥ श्री॥ इतिश्रीवदनमलयागरावोपइसमाप्ता॥